दिनांक 08.10.2025 को जिलाधिकारी महोदया की अध्यक्षता में आयोजित जल जीवन मिशन "हर घर नल से जल योजना" के कार्यों के प्रगति की समीक्षा बैठक का कार्यवृत्त

दिनांक 08.10.2025 को जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभागार– गोण्डा में अपरान्ह 01.00 बजे से प्रारम्भ हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी के साथ–साथ निम्न अधिकारी एवं कार्यदायी एजेन्सियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे:–

1. श्री महेन्द्र सिंह, अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, जल निगम (ग्रामीण), गोण्डा।
2. श्री मो0 सुलेमान खान, अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय (वि./या.),जल निगम (ग्रामीण), गोण्डा।
3. श्री मनीष सिंह, टीम लीडर, टी.पी.आई. गोण्डा।
4. श्री राम भवन तिवारी, जिला समन्वयक, डी.पी.एम.यू., गोण्डा।
5. श्री सुनील कुमार टीसी, परियोजना प्रबन्धक, मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो, गोण्डा।
6. श्री रोहित सुलेरे, परियोजना प्रबन्धक, मेसर्स के.एल.एस.आर.–रेज(जेवी.), गोण्डा।
7. श्री राजेश भिलाटिया, परियोजना प्रबन्धक, मेसर्स वी.टी.एल. गोण्डा।

भूमि की उपलब्धता:–

जनपद में जल जीवन मिशन "हर घर नल से जल योजना" के अन्तर्गत पाइप पेयजल योजनाओं के निर्माण हेतु कुल आवश्यक 930 जलकल स्थलों के सापेक्ष कुल 912 जलकल स्थल हेतु भूमि प्राप्त की जा चुकी है जिसमें 43 जलकल स्थलों पर विवाद होने एवं 18 जलकल स्थल की भूमि न मिलनें के कारण कार्य प्रारम्भ नहीं किया जा सका है।

बैठक में उपस्थित अधिशासी अभियन्ता एवं जिला समन्वयक(DPMU) को निर्देशित किया गया कि सम्बन्धित उपलिाधिकारी से सम्पर्क कर अवशेष जलकल स्थलों हेतु भूमि का चिन्हाकंन करते हुए अविलम्ब फर्म को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें एवं विवादित स्थलों पर भी समन्वय स्थापित करते हुए विवाद शीघ्र निस्तारण कराना सुनिश्चित करें।

कार्य प्रारम्भ की स्थिति :–

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो द्वारा विरचित 783 नग परियोजनाओं के सापेक्ष मात्र 753 नग परियोजनाओं में कार्य प्रारम्भ किया गया, अवशेष परन्तु 30 नग परियोजनाओं में से 14 नग परियोजनाओं के जलकल स्थल विवादित होने के कारण कार्य प्रारम्भ नहीं किया जा सका है। शेष 8 नग परियोजनायें नगर में सम्मिलित, 03 नग परियोजनाओं पर कोर्ट स्टे तथा 05 परियोजनाओं पर लो–लैण्ड होने के कारण कार्य प्रारम्भ की कार्यवाही नहीं की जा सकी है। मेसर्स के.एल.एस. आर.–रेज (जे.वी.) द्वारा विरचित 142 नग परियोजनाओं के सापेक्ष मात्र 141 नग परियोजनाओं में कार्य प्रारम्भ किया गया, अवशेष परन्तु 01 नग परियोजनाओं के जलकल स्थल विवादित होने के कारण कार्य प्रारम्भ नहीं किया जा सका है।

बैठक में उपस्थिति अधिशासी अभियन्ता एवं फर्म के प्रतिनिधियों से अपेक्षा की गयी कि जहां पर जलकल स्थल विवादित/अनुपलब्धता है तो उसे शीघ्र निस्तारण कराते हुए कार्य प्रारम्भ करायें तथा जहां पर जलकल स्थल विवाद की स्थिति नहीं है वहां पर एक सप्ताह के अन्दर कार्य प्रारम्भ कराना सुनिश्चित करें।

नलकूप बोरिंग का कार्य :–

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो द्वारा विरचित 782 परियोजनाओं में लक्षित 773 नग नलकूपों के सापेक्ष मात्र 721 नग नलकूपों के छिद्रण का कार्य पूर्ण किया गया है। कुल छिद्रित नलकूपों में से मात्र 715 नग नलकूपों पर कम्प्रेषर एवं ओ.पी. यूनिट का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा मे0 के.एल.एस.आर–रेज द्वारा विरचित 142 नग परियोजनाओं मे लक्षित 146 नग नलकूपों के सापेक्ष मात्र 141 नग नलकूपों के छिद्रण का कार्य पूर्ण किया गया है। कुल छिद्रित नलकूपों में से मात्र 140 नग नलकूपों पर कम्प्रेषर एवं ओ.पी. यूनिट का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

नलकूप बोरिंग के कार्यों की प्रगति संतोषजनक पायी गयी। बैठक में उपस्थिति अधिशासी अभियन्ता एवं फर्म के प्रतिनिधियों से अपेक्षा की गयी कि नलकूपों के लक्ष्य को शीघ्र प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

वितरण प्रणाली का कार्य :–

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो द्वारा विरचित 782 नग परियोजनाओं में 11898 किमी. वितरण प्रणाली के सापेक्ष 8159 किमी. वितरण प्रणाली बिछाने का कार्य किया गया है तथा मेसर्स के.एल.एस.आर–रेज द्वारा विरचित 142 नग परियोजनाओं में 2667 किमी. वितरण प्रणाली के सापेक्ष 1977 किमी. वितरण प्रणाली बिछाने का कार्य किया गया है।

वितरण प्रणाली बिछाने के कार्यों में मे0 लारसेन एण्ड टूब्रों की प्रगति काफी धीमी है। बैठक में उपस्थिति अधिशासी अभियता एवं फर्म के प्रतिनिधियों से अपेक्षा की गयी कि वितरण प्रणाली के लक्ष्य को शीघ्र गुणवत्ता पूर्ण प्राप्त कराना सुनिश्चित करें।

सड़क पुर्नस्थापना का कार्य :–

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो द्वारा वितरण प्रणाली बिछाते समय कुल 674 किमी. सड़क तोड़ी/काटी गयी जिसके सापेक्ष 563 किमी. के पुर्नस्थापना का कार्य किया गया है, इसी प्रकार मेसर्स के.एल.एस.आर.–रेज द्वारा 389 किमी. सड़क तोड़ी/काटी गयी है जिसके सापेक्ष 332 किमी. के पुर्नस्थापना का कार्य किया गया है। प्रायः देखा गया है कि पुर्नस्थापना की गयी सड़कों की गुणवत्ता असंतोषजनक है।

अधिशासी अभियन्ता, टीम लीडर, टी.पी.आई. एवं फर्म के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया कि वितरण प्रणाली बिछाने हेतु काटी गयी सड़कों के पुर्नस्थापना का कार्य गुणवत्ता पूर्वक कराया जाना सुनिश्चित करें, तथा जिन ग्राम पंचायतों में शतप्रतिशत सड़को के पुर्नस्थापना का कार्य पूर्ण कर लिया गया है उसकी सूची एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

एफ.एच.टी.सी. का कार्य :–

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो द्वारा विरचित 783 नग परियोजनाओं में लक्षित 340097 नग एफ.एच.टी.सी. के सापेक्ष मात्र 320302 नग एफ.एच.टी.सी. का कार्य किया गया है तथा मेसर्स के. एल.एस.आर–रेज द्वारा विरचित 142 नग परियोजनाओं में लक्षित 87619 नग एफ.एच.टी.सी. के सापेक्ष मात्र 61112 नग एफ.एच.टी.सी. का कार्य किया गया है। अवशेष हाउस कनेक्शन (एफ.एच. टी.सी.) के कार्य को समय से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

पम्प हाउस का निर्माण का कार्य :–

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो द्वारा विरचित 783 नग परियोजनाओं में लक्षित 773 नग पम्प हाउस के सापेक्ष मात्र 587 नग पम्प हाउस का निर्माण कार्य प्रारम्भ कर मात्र 512 नग पम्प हाउस का कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा मेसर्स के.एल.एस.आर–रेज द्वारा विरचित 142 नग परियोजनाओं में लक्षित 146 नग पम्प हाउस के सापेक्ष मात्र 129 नग पम्प हाउस का निर्माण कार्य प्रारम्भ कर मात्र 105 नग पम्प हाउस का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। अवशेष पम्प हाउस का कार्य शीघ्र प्रारम्भ कराते हुए गुणवत्ता पूर्वक पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

शिरोपरि जलाशय का निर्माण का कार्य :–

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो द्वारा विरचित 783 नग परियोजनाओं में लक्षित 762 नग शिरोपरि जलाशय के सापेक्ष मात्र 639 नग शिरोपरि जलाशय का कार्य प्रारम्भ कर 178 नग शिरोपरि जलाशय का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है तथा मेसर्स के.एल.एस.आर–रेज द्वारा विरचित 142 नग परियोजनाओं में लक्षित 142 नग शिरोपरि जलाशय के सापेक्ष मात्र 111 नग शिरोपरि जलाशय का कार्य प्रारम्भ कर 06 नग शिरोपरि जलाशय का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है।

शिरोपरि जलाशय के निर्माण की प्रगति अत्यन्त खराब है, जिस हेतु फर्म के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया कि लेबर एवं मशीनरी इत्यादि बढ़ाते हुए प्रगति में सुधार लाना सुनिश्चित करें।

शिरोपरि जलाशय पर जारी की गयी एन.सी. की स्थिति :–

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो द्वारा शिरोपरि जलाशय के निर्माण कार्य में टी.पी.आई. द्वारा 02 एन.सी. जारी की गयी थी जिसे फर्म द्वारा कार्य को ठीक कराकर एन.सी. को बन्द कर दिया गया, इसी प्रकार मेसर्स के.एल.एस.आर.–रेज द्वारा शिरोपरि जलाशय के निर्माण कार्य में टी.पी.आई. द्वारा 48 एन.सी. जारी की गयी थी जिसे फर्म द्वारा 35 एन.सी. में इंगित कमियों को ठीक कराते हुए बन्द कर दिया गया। शेष 13 एन.सी. पर वर्तमान तक कार्य प्रारम्भ नहीं किया गया है।

शिरोपरि जलाशय के निर्माण कार्यों में पायी गयी कमियों हेतु जारी की गयी एन.सी. के निस्तारण में मे0 के.एल.एस.आर. की स्थिति ठीक नहीं प्रतीत होती है। बैठक में उपस्थिति अधिशासी अभियता एवं फर्म के प्रतिनिधियों से अपेक्षा की गयी कि शिरोपरि जलाशय के निर्माण में पायी गयी कमियों के निराकरण हेतु जारी की गयी एन.सी. को शीघ्र गुणवत्ता पूर्ण कार्य कराना सुनिश्चित करें।

नियमित जलापूर्ति की स्थिति :–

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो को आवंटित 1261 नग राजस्व ग्रामों के सापेक्ष मात्र 212 नग राजस्व ग्रामों में नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ की गयी है, मेसर्स के.एल.एस.आर.–रेज को आवंटित 298 नग राजस्व ग्रामों के सापेक्ष मात्र 68 नग राजस्व ग्रामों में नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ की गयी है

जनपद में नियमित जलापूर्ति की स्थिति अत्यन्त हीं असंतोषजनक है, जिसके लिए बैठक में उपस्थित अधिशासी अभियन्ता एवं फर्म के प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया कि जिन योजनाओं के कार्य 80% से अधिक हो गये हैं उन योजनाओं में युद्धस्तर पर कार्य कराते हुए 15 नवम्बर, 2025 तक कार्य पूर्ण कर नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ कराना सुनिश्चित करें।

मैनपावर की उपलब्धता :–

मेसर्स लारसेन एण्ड टूब्रो को शिरोपरि जलाशय एवं सड़क पुर्नस्थापना के कार्य हेतु कुल 394 मैनपावर की आवश्यकता है जिसके सापेक्ष वर्तमान में 247 मैनपावर ही कार्यस्थल पर लगाये गये है इसी प्रकार मेसर्स के.एल.एस.आर.–रेज को शिरोपरि जलाशय एवं सड़क पुर्नस्थापना के कार्य हेतु कुल 208 मैनपावर की आवश्यकता है जिसके सापेक्ष वर्तमान में 102 मैनपावर ही कार्यस्थल पर लगाये गये है। उक्त से स्पष्ट है कि एजेन्सियों द्वारा वर्तमान में कार्यस्थल पर लगाये गये मैनपावर कम है जिससे लक्ष्य को समय से प्राप्त किया जाना सम्भव नहीं है।

अधिशासी अभियन्ता एवं फर्म के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया कि एक सप्ताह के भीतर आवश्यक मैनपावर बढ़ाते हुए कार्यों में तेजी लाना सुनिश्चित करें अन्यथा कि स्थिति में फर्म के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही हेतु बाध्य होना पड़ेगा। जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेदार होगें।

गत समीक्षा बैठक में फर्मों को निर्देशित किया गया था कि आवश्यक टी.एण्ड पी. एवं लेबर की संख्या बढ़ाकर लक्ष्य को समय से प्राप्त करना सुनिश्चित करें। फर्म के प्रतिनिधियों द्वारा प्रत्येक बैठकों में यह आश्वासन दिया जाता रहा है कि आवश्यक टी.एण्ड पी. एवं लेबर बढ़ाकर लक्ष्य को प्राप्त कर लेगें। लेकिन बैठक में दिये गये निर्देशों के अनुपालन में टी.एण्ड पी. एवं लेबरों की संख्या में बढ़ोत्तरी नहीं की गयी। जिससे वर्तमान तक भौतिक प्रगति में वांछित वृद्धि परिलक्षित नहीं हो रही है। उक्त के अतिरिक्त अधिशासी अभियन्ता को यह भी निर्देशित किया गया कि जिन योजनाओं पर जलापूर्ति प्रारम्भ कर दी गयी है, उनकी सूची एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

जल निगम द्वारा पूर्व निर्मित कुल 152 नग परियोजनाओं के संचालन एवं अनुरक्षण हेतु राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ द्वारा चयनित एजेन्सी मे0 वी.टी.एल. द्वारा कार्य कराया जा रहा है। जिसमें से वर्तमान में 12 नग ग्रामीण पेयजल योजनायें पूर्ण क्षमता पर, 46 नग ग्रामीण पेयजल योजनाओं पर आंशिक रूप से जलापूर्ति प्रारम्भ करा दी गयी है।

उक्त हेतु अधिशासी अभियन्ता एवं फर्म के प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया कि उक्त 46 नग आंशिक क्षमता पर संचालित परियोजनाओं को पूर्ण क्षमता पर क्लोरीन युक्त जलापूर्ति कराते हुए शेष 94 नग परियोजनाओं पर शीघ्र अवशेष कार्यों को पूर्ण कराते हुए स्वच्छ जलापूर्ति कराना सुनिश्चित करें।

– – 4

Third Party Inspection(TPI) द्वारा किये जा रहे कार्यों के सम्बन्ध में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि शिरोपरि जलाशय का निर्माण कार्य करते समय ही एन.सी. जारी कर कार्य को गुणवत्तापूर्वक पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उक्त के क्रम में टी.पी.आई. को निर्देशित किया गया कि कार्यस्थल पर नियमित निरीक्षण करते हुए कार्यों को गुणवत्ता पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

(प्रियंका निरजन)
जिलाधिकारी,
गोण्डा।

कार्यालय जिलाधिकारी, गोण्डा।

पत्रांकः 3230 / M-50 / 55 दिनांकः 31/10/2025

प्रतिलिपिः– निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. प्रबन्ध निदेशक, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), लखनऊ।
2. अधिशासी निदेशक, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
3. अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), गोण्डा।
4. मुख्य विकास अधिकारी–गोण्डा।

जिलाधिकारी,
गोण्डा।